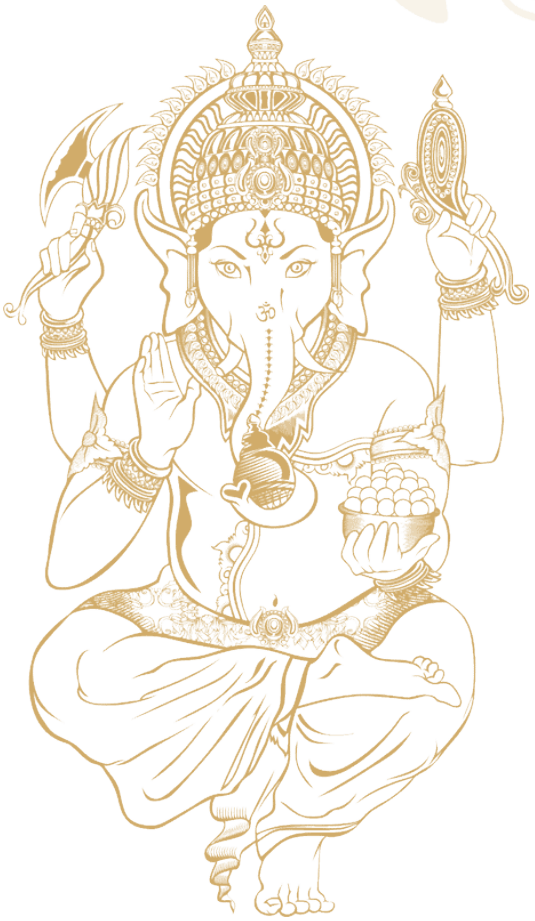

Renu

20 Jun 2001

06:30 AM

Bilara

Model: web-freekundliweb

Order No: 120486703

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/06/2001**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	01:57:10 घटी
स्थान	**Bilara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	73:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:55:12 घंटे
वेलान्तर	-00:01:31 घंटे
साम्पातिक काल	23:48:28 घंटे
सूर्योदय	05:43:08 घंटे
सूर्यास्त	19:29:32 घंटे
दिनमान	13:46:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:54:32 मिथुन
लग्न के अंश	14:37:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वाणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:37:26	321:09:17	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			मिथु	04:54:32	00:57:17	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	सम राशि
चंद्र			वृष	15:33:17	14:00:22	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल	व		वृश्चि	26:50:40	00:19:15	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध	व	अ	वृष	29:41:28	00:30:04	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु		अ	मिथु	00:54:47	00:13:49	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	19:34:52	01:01:33	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			वृष	13:44:44	00:07:26	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:29:09	00:00:52	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:29:09	00:00:52	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:47:01	00:01:00	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:29:49	00:01:09	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:38:10	00:01:33	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	02:58:40	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:22

लग्न-चलित

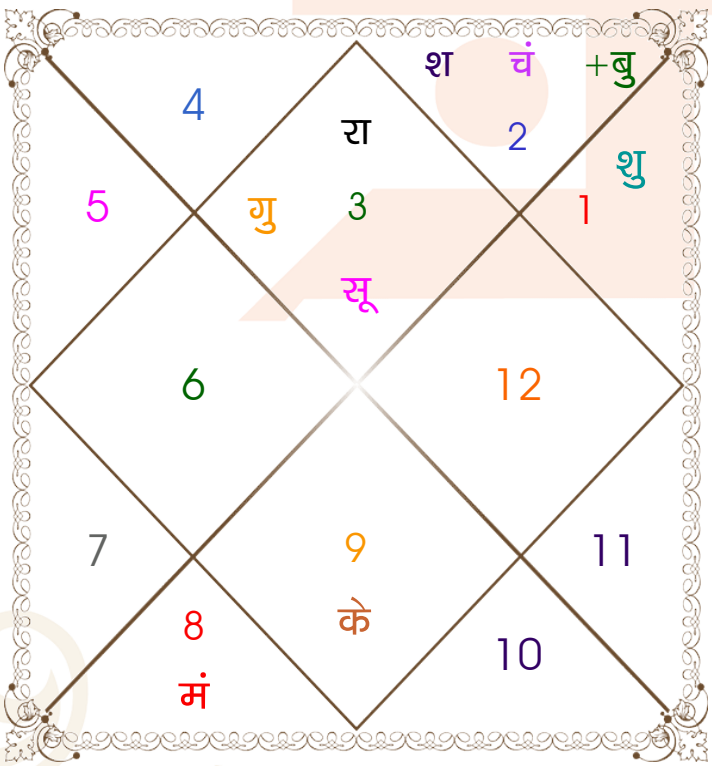

चन्द्र कुंडली

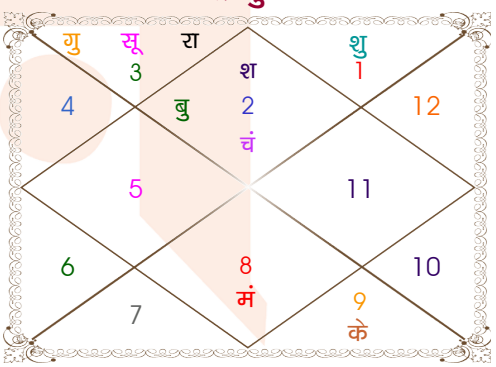

नवमांश कुंडली

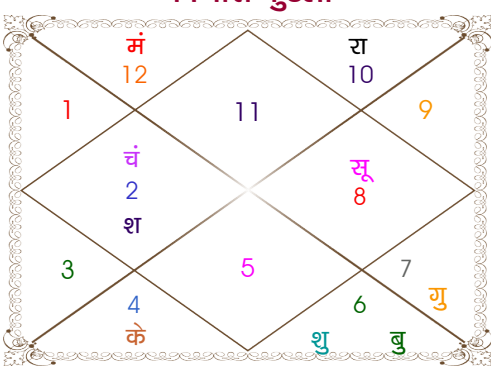

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 10 मास 0 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/06/2001		21/04/2007		20/04/2014		20/04/2032		20/04/2048	
21/04/2007		20/04/2014		20/04/2032		20/04/2048		21/04/2067	
	00/00/0000	मंगल	17/09/2007	राहु	01/01/2017	गुरु	08/06/2034	शनि	24/04/2051
	00/00/0000	राहु	04/10/2008	गुरु	27/05/2019	शनि	19/12/2036	बुध	01/01/2054
	20/06/2001	गुरु	10/09/2009	शनि	02/04/2022	बुध	27/03/2039	केतु	10/02/2055
गुरु	20/07/2001	शनि	20/10/2010	बुध	19/10/2024	केतु	02/03/2040	शुक्र	11/04/2058
शनि	19/02/2003	बुध	17/10/2011	केतु	07/11/2025	शुक्र	01/11/2042	सूर्य	24/03/2059
बुध	20/07/2004	केतु	14/03/2012	शुक्र	07/11/2028	सूर्य	20/08/2043	चंद्र	23/10/2060
केतु	18/02/2005	शुक्र	14/05/2013	सूर्य	01/10/2029	चंद्र	19/12/2044	मंगल	01/12/2061
शुक्र	20/10/2006	सूर्य	19/09/2013	चंद्र	02/04/2031	मंगल	25/11/2045	राहु	07/10/2064
सूर्य	21/04/2007	चंद्र	20/04/2014	मंगल	20/04/2032	राहु	20/04/2048	गुरु	21/04/2067

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/04/2067		20/04/2084		21/04/2091		22/04/2111		21/04/2117	
20/04/2084		21/04/2091		22/04/2111		21/04/2117		00/00/0000	
बुध	16/09/2069	केतु	16/09/2084	शुक्र	20/08/2094	सूर्य	09/08/2111	चंद्र	19/02/2118
केतु	13/09/2070	शुक्र	16/11/2085	सूर्य	20/08/2095	चंद्र	08/02/2112	मंगल	21/09/2118
शुक्र	14/07/2073	सूर्य	24/03/2086	चंद्र	20/04/2097	मंगल	15/06/2112	राहु	21/03/2120
सूर्य	21/05/2074	चंद्र	23/10/2086	मंगल	20/06/2098	राहु	09/05/2113	गुरु	21/06/2121
चंद्र	20/10/2075	मंगल	21/03/2087	राहु	21/06/2101	गुरु	26/02/2114		00/00/0000
मंगल	16/10/2076	राहु	08/04/2088	गुरु	20/02/2104	शनि	08/02/2115		00/00/0000
राहु	06/05/2079	गुरु	15/03/2089	शनि	22/04/2107	बुध	15/12/2115		00/00/0000
गुरु	11/08/2081	शनि	23/04/2090	बुध	19/02/2110	केतु	21/04/2116		00/00/0000
शनि	20/04/2084	बुध	21/04/2091	केतु	22/04/2111	शुक्र	21/04/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 9 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।